

**हिमाव** पुं. (तत्.) 1. पुराणोक्त जंबूद्वीप का एक खंड 2. कपूर।

**हिमि** पुं. (तद्.) हिम टि. यह प्रायः कविता में प्रयुक्त होता है।

**हिमित** वि. (तत्.) बर्फ के रूप में परिवर्तित, बर्फ से आच्छादित, बहुत ठंडा।

**हिमियानी** स्त्री. (फा.) एक पतली लंबी थैली, जिसमें सिक्के रखकर पुराने व्यापारी कमर में बाँध लिया करते थे।

**हिमी** वि. (तद्.) बर्फ का, बर्फ से संबंधित जैसे- हिमी क्षेत्र।

**हिमी वर्षा** स्त्री. (तद्.+तत्.) ऐसी वर्षा जिसमें ओले भी गिर रहे हों।

**हिमेश** पुं. (तत्.) हिमालय।

**हिमोपल** पुं. (तत्.) [हिम+उपल] 1. ओले 2. बर्फ के छोटे टुकड़े।

**हिमोपहति** स्त्री. (तत्.) आयु. बहुत ठंड के कारण रक्त संचार की कमी के कारण होने वाली बीमारी जैसे- हाथ-पैर सुन्न हो जाना, घाव हो जाना इत्यादि, हिमदाह।

**हिम्मत** स्त्री. (अर.) किसी अत्यंत कठिन एवं खतरनाक काम को करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, पराक्रम मुहा. हिम्मत खुलना- साहसिक कार्य के लिए अभ्यस्त हो जाना; हिम्मत पड़ना या होना- साहस होना; हिम्मत बाँधना- साहस करना; हिम्मत हारना- उत्साह समाप्त हो जाना, निराश हो जाना।

**हिम्मती** वि. (अर.) हिम्मत वाला, साहसी, पराक्रमी, वीर।

**हिम्य** वि. (तत्.) बर्फ से आच्छादित, बहुत ठंडा।

**हिय/हियरा/हिया** पुं. (तद्.) 1. हृदय, दिल 2. मन।

**हियाव** पुं. (तद्.) 1. हृदय, दिल 2. साहस, हिम्मत।

**हिरकना** स.क्रि. (तत्.) 1. पास फटकना, नजदीक से गुजरना 2. चिपकना 3. चकित होना 4. मना करना 5. अभ्यस्त होना।

**हिरकाना** स.क्रि. (तद्.) हिरकने का काम दूसरे से करवाना दे. 'हिरकना'।

**हिरगना** अ.क्रि. (तद्.) 1. अटकना, फँसना 2. बीच में रुकना, ठहरना 3. परिचय होना, संबंध होना 4. हिरकना।

**हिरगाना** स.क्रि. (तद्.) हिरगने की प्रेरणा देना दे. 'हिरगना'।

**हिरण्यवान** पुं. (तत्.) वह जिसके पास सोना हो, धनी व्यक्ति।

**हिरण्य** पुं. (तत्.) 1. सोना 2. बहुमूल्य वस्तु जैसे- धातु, जमीन-जायदाद 3. धतूरा।

**हिरयण्कशिपु** पुं. (तत्.) 1. पुराणोक्त राक्षस जिसका वध नृसिंह-अवतार के रूप में विष्णु ने किया था 2. वह, जिसका बिस्तर सोने का बना हो।

**हिरण्यकेश** पुं. (तत्.) वह, जिसके बाल सुनहरे हों, विष्णु।

**हिरण्यकोश/हिरण्यगर्भ** पुं. (तत्.) पुराणों में वर्णित वह सोने जैसा चमकीला तत्व (अंड) जिससे ब्रह्मा की उत्पत्ति हुई है 2. ब्रह्मा 3. सूक्ष्म शरीर।

**हिरण्यमय** वि. (तत्.) सोने से युक्त, सोने का बना हुआ।

**हिरण्यरेता** पुं. (तत्.) 1. अग्नि 2. सूर्य 3. शिव, महादेव।

**हिरण्यवान** पुं. (तत्.) वह जिसके पास सोना हो, धनी व्यक्ति।

**हिरण्यवाह** पुं. (तत्.) सोन या शोण नदी।

**हिरदय/हिरदा/हिरवै** पुं. (तद्.) हृदय, मन।

**हिरन** पुं. (तद्.) विश्व भर में पाया जाने वाला स्तनपायी, चरने वाला, छोटे पर चमकदार बालों वाला एक वन्य पशु जो अपनी तेज गति के लिए प्रसिद्ध है, नर हिरनों के सींग भी होते हैं; ऊँचाई लगभग 3 से 4 फीट, पूँछ छोटी पर झबूदेदार, चमड़े, सींगों एवं मांस के लिए इसका